प्रेस विज्ञप्ति

अहमदाबाद में आज बना गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड
लिम्का बुक ऑफ रिकार्डस एवं एशिया बुक ऑफ रिकार्ड में भी जाएगा
परमात्मा को लिखा गया 2841 फीट लम्बा विश्व का सबसे लम्बा पत्र

ब्रह्मा कुमारीज़ के युवा प्रभाग ने आयोजन किया कौमी एकता का एक अनोखा कार्यक्रम 'एक पत्र प्रभु के नाम'

दैवी संस्कृति को विकारों एवं आतंकवाद की चुनौती, ईश्वरीय शक्ति की आवश्यकता: अशोक भट्ट

अहमदाबाद। आज अहमदाबाद निवासियों ने इतिहास रचा है। करीब 2841 लोगों ने गुजरात यूनिवर्सिटी केम्पस में 3 घण्टे में परमात्मा को 2841 फीट लम्बा पत्र लिखा जो दुनिया का सबसे बड़ा पत्र माना जा रहा है। पत्र लिखने वालों में कुछ एन.आर.आई. भी थे तो कुछ अहमदाबाद शहर के बाहर से आये हुए लोग भी थे। पत्र लिखने के लिए 275 टेबुल लगाकर 500 फीट लम्बा और 4 फीट चौड़ा प्लेटफॉर्म बनाया गया। इस प्लेटफॉर्म पर 40 इंच चौड़ा कागज़ बिछाया गया जिस पर प्लेटफॉर्म के दोनों तरफ से पत्र लिखे गये। पत्र लिखने के लिए लोगों की कतारें देखते हुए लग रहा था कि भगवान को पत्र लिखना उनके जीवन का रोमांचकारी क्षण बनने जा रहा है। पत्र लिखने के लिए 3000 स्केच पेन बांटे गये थे। इससे पहले रोमानिया में 24-11-2009 को 8 से 14 वर्ष के 2000 से ज्यादा विद्यार्थियों ने 9 दिन में 413.80 मीटर (1358 फीट) लम्बा पत्र सान्ता क्लोज़ को लिखा था।

यह पत्र विश्व का सबसे लम्बा पत्र माना जा रहा है। गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड, लिम्का बुक ऑफ रिकार्डस एवं एशिया बुक ऑफ रिकार्ड में इसे दर्ज कराने की कार्यवाही शुरू की जा चुकी है।

कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 7.30 बजे उद्घाटन सत्र से हुई। कार्यक्रम की आयोजक ब्रह्मा कुमारी ईशिताबहन ने सर्व का शब्दों से स्वागत किया एवं कार्यक्रम का उद्देश्य बताते हुए कहा कि आज का युवा अनेक प्रकार की समस्याओं से ग्रसित है। आर्थिक तंगी, बेरोजगारी, सम्बन्धों में तनाव, परीक्षा का भय, नशे की लत, बीमारी, प्राकृतिक आपदाओं से उपजे असंतुलन तथा व्यवसायिक प्रतियोगिता के चलते आत्महत्या एवं अन्य नकारात्मक घटनायें बढ़ी हैं जो देश के लिए एक चिंता का विषय है। कहा जाता है दु:ख शेयर करने से दु:ख कम होता है तो क्यों नहीं स्वयं खुदा दोस्त से अपनी बात कही जाए? युवाओं को तनावमुक्त बनाने तथा वर्तमान चुनौतियों का सामना करने के लिए उन्हें सक्षम बनाने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। परमात्म शक्ति ही वर्तमान समस्याओं के समाधान का श्रेष्ठ साधन है।

करीब 40 विशिष्ठ मेहमानों ने दीप प्रज्वलन कर इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम के उद्घाटक गुजरात विधानसभा के माननीय स्पीकर अशोक भट्ट ने कहा कि गुजरात की संस्कृति धार्मिक है। अनेक धर्म के बड़े-बड़े नेता यहां होकर गये हैं और उनके यादगार स्थान सोमनाथ, द्वारका आदि भी

यहां ही स्थित है। आज इस दैवी संस्कृति को विकारों ने, आतंकवाद ने चुनौती दी है। ऐसे समय में ईश्वर ही हमें शान्ति एवं शक्ति प्रदान कर सकते हैं। एक पत्र प्रभु के नाम कार्यक्रम आज के परिपक्ष्यमें प्रासंगिक है।

ब्रह्मा कुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका एवं युवा प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी जी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि हम सब आत्माएं परमात्मा की सन्तान है। बेटा जब बाप से दूर जाता है तो उसे पत्र लिखकर अपनी कुशल-क्षेम लिखता है। आज हम इस कार्यक्रम में अपने दिल की बातें दिलाराम भगवान से लिखकर करेंगे।

युवा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु.चंद्रिकाबहन ने कहा कि हम ईश्वर को बहुत कुछ लिख सकते हैं और प्रतिदिन लिखना चाहिये। आज इस कार्यक्रम द्वारा आपको प्रभु को पत्र लिखना आ जाएगा।

ब्रह्मा कुमारीज़ गुजरात ज़ोन की इंचार्ज राजयोगिनी सरला दीदी भी कार्यक्रम में उपस्थित थे और सबको वरदानी दृष्टि से निहाल किया। इसके अलावा सभी धर्मों के प्रमुख एवं शहर के अनेक गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।

युवा प्रभाग ब्रह्मा कुमारीज़ के रजत जयंती वर्ष, गुजरात यूनिवर्सिटी के गोल्डन जुबली वर्ष एवं अहमदाबाद के 600वें स्थापना वर्ष के निमित्त इस कौमी एकता के विशेष कार्यक्रम 'एक पत्र प्रभु के नाम' का आयोजन किया गया था।